श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा (राग चौपाई)

चरण रज - सिद्धार्थ संघवी

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(दोहा)

नाकोड़ा पार्श्व प्रभु को ,
मूरत चित्त बसाय ।
भैरव चालीसा लिखूं ,
गाता मन हरसाय ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

नाकोड़ा भैरव सुखकारी ।
गुण गावे ये दुनिया सारी ।। 1 ।।
भैरव की महिमा अति भारी ,
भैरव नाम जपे नरनारी ।।2 ।।
जिनवर के हैं आज्ञाकारी ।
श्रद्धा रखते समकितधारी ।।३ ।।
प्रातः उठ जो भैरू ध्याता ।
ऋद्धि सिद्धि सब संपद् पाता ।।4 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

भैरु नाम जपे जो कोई ।
उस घर में नित मंगल होई ।।5 ।।
नाकोड़ा लाखों नर आवे ।
श्रद्धा से परसाद चढ़ावे ।।6 ।।
भैरव - भैरव आन पुकारे ।
भक्तों के सब कष्ट निवारे ।। 7 ।।
भैरव दर्शन शक्तिशाली ।
दर से कोई न जावे खाली ।। 8 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

जो नर नित उठ तुमको ध्यावे ।
भूत पास आने नहीं पावे ।।9 ।।
डाकण छूमंतर हो जावे ।
दुष्ट देव आड़े नहीं आवे ।।10 ।।
मारवाड़ की दिव्य मणि हैं ।
हम सबके तो आप धणी हैं ।। 11
कल्पतरु है परतिख भैरु,
इच्छित देता सबको भैरु ।।12 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

आधि व्याधि सब दोष मिटावे ।
सुमिरत भैरु शान्ति पावे ।। 13 ।
बाहर परदेश जावे नर,
नाम मंत्र भेरु का लेकर ।। 14 ।।
चोघड़िया दूषण मिट जावे ।
काल राहु सब नाठा जावे ।।15।।
परदेश में नाम कमावे ।
धन बोरा में भरकर लावे ।। 16 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

तन में साता मन में साता ।
जो भैरु को नित्य मनाता ॥17॥
मोटा डूंगर रा रहवासी,
अर्ज सुणन्ता दौड्या आसी ॥18॥
जो नर भक्ति से गुण गासी ।
पावे नर रत्नों की राशि ॥19 ॥
श्रद्धा से जो शीष झुकावे ।
भैरु अमृत रस बरसावे ।। 20 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

मिल जुल सब नर फेरे माला ।
दौड्या आवे बादल काला ।।21 ।।
वर्षा री झड़ियाँ बरसावे ।
धरती माँ री प्यास बुझावे ।।22 ।।
अन्न - संपदा भर - भर पावे ।
चारों ओर सुकाल बनावे ।।23 ।।
भैरु है सच्चा रखवाला ।
दुश्मन मित्र बनाने वाला ।।24 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

देश - देश में भैरु गाजे ।
खूंट - खूंट में डंका बाजे ।।25 ।।
है नहीं अपना जिनके कोई ।
भैरु सहायक उनके होई ।।26 ।।
नाभि केंद्र से तुम्हें बुलावे ।
भैरु झट - पट दौड़े आवे ।।27 ।।
भूखे नर की भूख मिटावे ।
प्यासे नर को नीर पिलावे ।।28

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

इधर - उधर अब नहीं भटकना ।
भैरु के नित पाँव पकड़ना ॥29।
इच्छित संपद आन मिलेगी ।
सुख की कलियाँ नित्य खिलेगी॥
भैरु गण खरतर के देवा ।
सेवा से पाते नर मेवा ॥31 ॥
कीर्तिरत्न की आज्ञा पाते ।
हुक्महाजिरी सदा बजाते ॥32 ॥

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

ॐ ह्रीं भैरव बं बं भैरव ।
कष्ट निवारक भोला भैरव ।।33 ।।
नैन मूंद धुन रात लगावे ।
सपने में वो दर्शन पावे ।।34 ।।
प्रश्नों के उत्तर झट मिलते ।
रास्ते के कंटक सब टलते ।। 35।
नाकोड़ा भैरु नित ध्यावो ।
संकट मेटो मंगल पावो ।। 36 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(राग चौपाई)

भैरु जपन्ता मालं माला ।
बुझ जाती दुःखों की ज्वाला ।। 37
नित उठ जो चालीसा गावे ।
धन सुख से घर स्वर्ग बनावे ।।38 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

।। श्री नाकोड़ा भैरव चालीसा ।।

(दोहा)

भैरु चालीसा पढ़े ,
मन में श्रद्धा धार ।
कष्ट मिटे महिमा बढ़े ,
संपद होत अपार ।। ३१ ।।

जिन कान्ति गुरुराज के ,
शिष्ट मणिप्रभ राय ।
भैरव के सानिध्य में ,
ये चालीसा गाय ।। 40 ।।

Siddharth Sanghvi's
BIOPERA
for NEET Botany & Zoology

SIDDHARTH SANGHVI'S

BIOPERA

For NEET Botany & Zoology

9425107550

https://wxyz.in

LIVE

ON ZOOM

Student of

BIOPERA

VIVIKA JAIN

Created HISTORY !

She Scored
Full Marks

360 / 360

In NEET 2021 (Botany & Zoology)

BIOPERA
CONTACT
DETAILS